यूथ फॉर स्वराज

युवा जुनून का शंखनाद

कौन हैं हम?

यूथ फ़ॉर स्वराज भारत के उस युवा का शंखनाद है, जो स्वराज के आदर्श की रोशनी में अपनी विरासत को बचाने, वर्तमान को बनाने व भविष्य को बदलने के लिए संकल्पबद्ध है।

यूथ : हमारे लिए युवा सिर्फ उम्र का तकाजा नहीं है, नित-नए फैशन की गुलामी नहीं है। युवा होने का मतलब है हर सवाल का जवाब मांगने की जिद, हर जवाब से सवाल पूछने की हिम्मत। युवा वो जिसकी दृष्टि ताज़ा हो, टेढ़ी हो -- जो हर असंभव को संभव बनाए, हर समस्या को नए कोण से देखे, अनूठे समाधान ढूंढ़े। अपने लोगों के सुरक्षित दायरों और जाति-बिरादरी के घरोंदो से बाहर निकल खुले आकाश तले दुनिया को खोजने का नाम है युवा। सत्ता के मुंह पर सच बोलने का नाम है युवा। महज बदल के लिए बदलाव की चाहत युवा का धर्म नहीं है। सार्थक व सकारात्मक विकल्प के संकल्प का नाम है युवा।

फॉर : हमारे लिए स्वराज महज एक पसंद या चाहत नहीं है, बौद्धिक शौक नहीं है। स्वराज हमारी जीवन शैली है, हमारा धर्म है, हमारे कर्म का मर्म है। स्वराज हासिल करने के लिए हम अपना जीवन देने को तैयार हैं, खोने को तैयार हैं।

स्वराज : आज़ादी से पहले स्वराज का मतलब था अंग्रेजों की गुलामी से मुक्ति। आज इसका मतलब है जीवन के हर पहलू में हर किस्म की पराधीनता से मुक्ति -- भय और भूख की बेड़ियों से मुक्ति, शोषण और अन्याय के सामने बेबसी से मुक्ति, खुद अपने दिल और दिमाग के बंधनों से मुक्ति। हम ऐसे देश और ऐसी दुनिया का सपना देखते हैं, जहां हर इंसान अपनी खुदी को बुलंद कर सके, अपनी खुशी ढूंढ़ सके, अपनी आत्मा की आवाज़ को सुन और सुना सके। स्वराज का आदर्श हमें अलग-अलग स्तर पर बहुआयामी स्व-राज की निरंतर खोज के लिए आमंत्रित करता है :

- **मेरे लिए स्वराज,** यानि मेरी निजी स्वतंत्रता, मेरे शरीर पर मेरा राज, मेरी रूह पर अपना अनुशासन।
- **मेरे समाज के लिए स्वराज,** यानि लिंग, जाति, समुदाय, वर्ग, नस्ल या यौनिक पसंद के आधार पर किसी भी भेदभाव, उत्पीड़न या दबाव से आजादी।
- **मेरे देश के लिए स्वराज,** यानि राष्ट्रीय संप्रभुता व देश के भीतर सभी क्षेत्रों व समुदायों के लिए लोकतान्त्रिक स्वशासन।
- **पूरी दुनिया के लिए स्वराज,** यानि वैश्विक शान्ति व प्रकृति से सामंजस्य।

किस विचारधारा से बंधे हैं हम?

हम किसी एक 'वाद', किसी महापुरुष या किताब से बंधे नहीं है। हर रूढ़ि को चुनौती देने वाला युवा लकीर का फ़कीर नहीं हो सकता। हम अपनी विरासत के प्रति बेखबर नहीं हैं। हम दुनिया को एक कुटुंब मानने वाले स्वाधीनता आंदोलन की जमीन पर खड़े हैं। भारत के संविधान में रचा-बसा समता, न्याय, बंधुत्व और स्वतंत्रता का दर्शन हमारा प्रकाश पुंज है। आजादी के बाद जल, जंगल और जमीन के जनांदोलनों ने हमें सींचा है। लेकिन हमें एहसास है कि अपनी विरासत से सीखते हुए, नए अनुभवों से गुजरते हुए, हमें अपने देशकाल के प्रश्नों के लिए अपने उत्तर ढूंढने होंगे, नए विचार गढ़ने होंगे।

हम कैसी व्यवस्था चाहते हैं?

स्वराज के इस सपने की रोशनी में हम चाहते हैं एक ऐसी :

- **राजनैतिक व्यवस्था,** जहां देश और देश का हर राज्य, हर गांव, हर बस्ती अपने-अपने दायरे में आजाद हों, हर स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही हो, जहां तंत्र पर लोक का अनुशासन हो।
- **अर्थव्यवस्था,** जहां हर हाथ को काम हो, हर काम का मान हो, हर काम को इतना दाम हो कि हर कोई अपनी मेहनत की कमाई से खुशहाल हो, मुनाफ़े की मर्यादा हो ताकि किसी का भोग बाकी सबकी खुशहाली, आने वाली पीढ़ियों के वाजिब हिस्से और पर्यावरण को नुकसान पंहुचा कर न हो।

- **सामाजिक व्यवस्था,** जहां राज्य, समुदायों और इंसानों के बीच या आपस में किसी तरह की जोर-जबरदस्ती न हो, शोषण, भेदभाव और नफरत न हो, जहां जीवन के अवसर जन्म के संयोग से न बंधे हों।
- **शिक्षा व्यवस्था,** जो सबको, समान रूप से सार्थक ज्ञान और चेतना दे, आजीविका कमाने लायक रोजगार दे, इंसान को इंसान से जोड़े, सबको देश और दुनिया की सांस्कृतिक विरासत से जोड़े, प्रश्न करने का साहस दे, उत्तर खोजने की क्षमता दे।
- **विश्व व्यवस्था,** जहां देश और दुनिया के बीच, आदमी और औरत के बीच, अलग-अलग जाति, धर्म और संस्कृति के बीच तथा इंसान और प्रकृति के बीच समता और मैत्री का रिश्ता हो।

युवाओं के लिए इसका क्या मतलब?

आज की व्यवस्था युवा को स्वराज के इस सपने से दूर धकेल रही है। शिक्षा बाजार में बिक रही है -- न ज्ञान दे रही है, न रोजगार। आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों के साथ-साथ बेरोजगारी भी बढ़ रही है। युवाओं के लिए स्वराज का मतलब होगा एक ओर **सबको शिक्षा, समान शिक्षा और सार्थक शिक्षा** व दूसरी ओर **हर हाथ को काम और हर काम का पूरा दाम**। यह तभी होगा जब :

- देश के सभी बच्चों को निःशुल्क, समान और अच्छी स्कूली शिक्षा देने की जिम्मेवारी सरकार ले।
- शिक्षा के अवसरों की गैर-बराबरी खत्म हो। कोई विद्यार्थी पैसे की कमी के कारण उच्च-शिक्षा से वंचित न रहे। लड़कियों और वंचित समाज के विद्यार्थियों को विशेष अवसर मिलें।
- शिक्षा को मुनाफाखोरी का धंधा बनाने पर रोक लगे।
- भारतीय भाषाओं में शिक्षा के सर्वोच्च अवसर मिलें। अंग्रेजी सीखने का मौका हर विद्यार्थी को मिले, लेकिन अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा को थोपा न जाए।
- पाठ्यक्रम हमारे परिवेश से जुड़ा हो, हमारी वैचारिक परम्पराओं और सांस्कृतिक विरासत की समझ पैदा करे, संवैधानिक मूल्यों के प्रति आदर जगाए और बेहतर इंसान बनाए।
- काम के अधिकार का संवैधानिक वादा पूरा किया जाए। तब तक बेरोजगार को आंशिक काम या भत्ता दिया जाए।
- आर्थिक विकास को इस कसौटी पर कसा जाए कि उससे रोजगार बढ़ते हैं या नहीं। सरकार सिर्फ श्रम-प्रधान क्षेत्रों, उद्योगों और तकनीक को अनुदान दे।
- किसान को फसल का पूरा दाम मिले और ग्रामीण उद्योग को बढ़ावा दिया जाए ताकि ग्रामीण युवा को रोजगार की तलाश में पलायन न करना पड़े।

कैसे होंगे हमारे तौर-तरीके?

यूथ फॉर स्वराज अपने कामकाज में इन सूत्रों का पालन करेगा :

- सभी निर्णय लोकतांत्रिक संवाद और पारदर्शिता पर आधारित होंगे। हर आवाज को ध्यान से सुना जाएगा। मतभिन्नता का सम्मान होगा।
- सामूहिक नेतृत्व का पालन किया जाएगा, व्यक्ति पूजा से परहेज होगा।
- नेतृत्व में महिला, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक समूहों की भागीदारी का विशेष ध्यान रखा जाएगा।
- सहमना छात्र व युवा संगठनों के साथ सहयोग का रिश्ता बनाया जाएगा।

राजनीति से क्या होगा सम्बन्ध?

यूथ फॉर स्वराज युवा को सिर्फ उसके सामने मुँह बाए खड़े शिक्षा, रोजगार व जीवन-यापन के मुद्दों से ही नहीं बल्कि हमारे समय के सभी बड़े सवालों से भी जोड़ता है। इसलिए हम राजनीति से किनारा नहीं कर सकते। या तो चालू राजनीति हमें हांकेगी, या फिर हमें राजनीति की लगाम अपने हाथ में लेनी होगी। **इस समझ से जुड़े युवा के लिए राजनीति धंधा या कैरियर नहीं हो सकती। राजनीति हमारे समय का 'युगधर्म' है।** वैकल्पिक राजनीति आज हमारे देश को बचाने की अनिवार्यता है।

यूथ फॉर स्वराज इस दौर में अपनी ऐतिहासिक भूमिका के प्रति सचेत और जुनूनी युवा का कारवां है। स्वराज के इस सफर में आपका स्वागत है।

इंकलाब जिंदाबाद!!

Youth4Swaraj (Y4S)
facebook.com//Youth4Swaraj | @Youth4Swaraj | www.y4s.org मोबाइल :706500 3166